

श्री मोहम्मद सलीम

किया गया है लेकिन आर्डर नहीं मिले । प्रधानमंत्री जी का कल इस सदन में जवाब है हमने रेल मंत्री से बार बार यहां रेल बजट पर बहस के समय कहा था लेकिन रेल मंत्री ने उसका कोई जवाब नहीं दिया —कल प्रधानमंत्री जी ने अपने जवाब में यह कहा कि रेलवे मिनिस्ट्री क्योंकि बैंगन का आर्डर नहीं दे रही है इसीलिये ये 6 पब्लिक सेक्टर जो कंपनियां और तीन प्राइवेट सेक्टर कंपनियां जो काम कर रही हैं, सिर्फ उनका ही टोटल कैपेनिटी युटिलाइजेशन हो सकता है, अगर बैंगन का आर्डर मिले । लेकिन जबहू ऐसा नहीं कर रहे हैं और चाहे लैक्सवैक हो, बेसवे हो, बर्न हो, ये सब अपने मजदूरों में, अपने कर्मचारियों से कह रहे हैं कि हम तुमको तनुख्वाह नहीं दे सकते हैं । 15 तारीख से ले-आफ का नोटिस मजदूरों को दिया गया है । हमारे देश को बैंगनों की जरूरत है । रेल विभाग अपने बजट में यह कहता है कि सिर्फ 17.50 हजार बैंगन हर माल रिप्लेमेंट के लिये चाहिये । इसके साथ ही इनकी डिमांड भी बढ़ रही है और उसके लिये 6-7 हजार बैंगस की जरूरत है । लेकिन आज 1994-95 में भी इसका इनकी आर्डर नहीं मिला है । अगर ऐसा है तो वे मजदूर क्या करेंगे । मैंडम, मैं इसके साथ यह जोड़ना चाहता हूं कि अभी रेलवे का एक आला अफरसर बंगाल में गया था । कलकत्ता शहर में कहते हैं नया स्ट्रक्चरल ऐडजस्टमेंट हो रहा है, नयी पालिसी ला रहे हैं । नयी उद्योग नीति, नयी आर्थिक नीति और उदारीकरण के कारण पूरे देश में आने वाले चार सालों में 10 लाख मजदूरों की, कर्मचारियों की छंटनी होगी । इनमें से सात लाख सिर्फ पूर्वी भारत में होंगे । बड़े हौसले के साथ,

बड़ी खूबी के साथ यह कह रहे हैं । मैं नहीं जानता कि कितने सदस्य हैं जो इस बात डुर दाद देंगे । पूर्वी भारत में 7 लाख मजदूर आने वाले चार माल में निकाले जायेंगे, यह प्लानिंग कमिशन का एस्टीमेट है कि इनकी छंटनी होगी । जब कि बैंगन के मामले में जैसे मैंने कहा कि उनकी देश में जरूरत है । हम कहते हैं कि आर्डर में चेंज करें लेकिन रेल विभाग आर्डर नहीं दे रहा है । प्रधान मंत्री जी मेहम लोगों ने मांग की थी कि आप ही का रेल दफ्तर है और आपकी ही इंडस्ट्री मिनिस्ट्री है, आप रेल मंत्रालय को यह कहें कि आपके कारण इंडस्ट्री काम नहीं कर पा रही है । आप रेल मंत्रालय को यह कहिये कि वहां पर आर्डर मिलना चाहिये लेकिन अजीब हालत है । हम देखते हैं कि सरकार के दाहिने हाथ को यह मालूम नहीं है कि बायां हाथ क्या कर रहा है और बाएं हाथ को यह मालूम नहीं है कि दायां हाथ क्या कर रहा है । यहां दाएं-बाएं का खेल हो रहा है । कल का ही इंडस्ट्री मिनिस्टर का जवाब है वह यह बताएं कि क्या कदम उठा रही हैं ताकि 15 तारीख से जब हम घर जाते हैं तो उनको हम यह कह सकें कि मजदूरों की छंटनी नहीं होगी, बैंगस का आर्डर मिलेगा । (व्यवधान)

شری محمد سلیم، ہمارے دستار میں پانچ کیشیاں
نے کہا ہے کہ ایک لاکھ ۵۰ ہزار وین میاں ہیں
اور اس کے لیے سرلوہے کو آرڈر دینا پڑے گا
تاکہ جو وین بتلنے والی ٹرک شری ہے پبلک
سیکٹر میں وہ جو ان کی ٹریڈ یونٹیشن کیپسٹی ہے
جو ان کی اسٹائل کیپسٹی ہے اس کا پورا

[] Transliteration in Arabic Script

یوٹیلٹیز کمیشن کر سکے۔ میٹم۔ پچھنے سال پلاننگ
 کمیشنوں نے کہہ دیا کہ ۲۰ ہزار دیگر ہر سال ہونے
 چاہیں۔ یہ اسٹیمٹ ان کا ہے۔ لیکن ہم نے دیکھا
 کہ ۳۰ ہزار آڈیٹ کر دیا گیا ہے۔ ہر سال
 اس کے لیے بجٹ میں اضافہ ہوا اور جان لیا گیا ہے
 لیکن آڈیٹ نہیں ملے۔ ہر دھان منتری جی کا کل
 اکاؤنٹ میں جواب ہے۔ ہم نے ریل منتری
 میں بار بار یہاں ریل بجٹ پر بجٹ کے وقت
 کہا کہ تنہا ریل منتری نے اس کا کوئی جواب
 نہیں دیا۔ اس پر دھان منتری جی نے اپنے
 جواب میں یہ کہا کہ ریلوے منتری کو نوٹیفکیشن کا
 جواب دینا ہے۔ جواب اس لیے یہ پبلک
 سکون پاکستان اور زمین پلاننگ کی کمیٹی
 کو نوٹ کر رہا ہے۔ اس میں نوٹ ان کا ہی نوٹ کی کمیٹی
 یوٹیلٹیز کمیشن ہو سکتا ہے اگر ویگنس کا آرڈر
 ملے لیکن وہ ایسا نہیں کر رہے ہیں اور جیسے
 "یکریٹیک" ہو۔ "ایکسپریس" ہو۔ "ایرن"
 جو یہ سب اپنے مزدوروں سے اپنے کپڑوں
 سے کہہ رہے ہیں کہ تم کو تھوڑا کھانا دے
 سکتے ہیں ۱۵ تلوخ سے ملے آف کا نوٹس
 مزدوروں کو دیا گیا ہے۔ ہمارے دیش کو
 دیگر لوگوں کی مزدور ہے۔ یہی وجہ ہے
 بجٹ میں یہ کہتا ہے کہ صرف ۵۰ آف ۵۰
 ۵۰ ہزار دیگر ہر سال سٹیٹمنٹ کے لیے
 چاہیے۔ اس کے ساتھ ہی انکی ٹولڈ گلاڈ ہے

رہی ہے اور اس کے لیے ۶۰ ہزار ریگنس
 کی ضرورت ہے۔ لیکن آج ۶۰۹۵ میں ابھی
 اس کا ان کو آرڈر نہیں ملا ہے۔ اگر ایسا ہے
 تو وہ مزدور کیا کریں گے۔ میٹم۔ میں اس
 کے ساتھ ساتھ یہ جوڑنا چاہتا ہوں کہ ابھی
 ریلوے کا ایک اعلیٰ افسر ریٹائر ہو گئے۔ ان
 کلکتہ شہر میں کہتے ہیں نیا اسٹریٹس میں
 ہو رہا ہے۔ نئی پالیسی لار ہے ہیں۔ نئی
 اویونگ نئی۔ نئی آرٹیکل نئی اور ادارہ کریں
 کے کارکن ہوں۔ ہمیشہ میں آئے واسے چار
 سالوں میں ۱۰ لاکھ مزدوروں کی کراچی ریل کی
 چھٹی ہوگی ڈان میں سے ۷ لاکھ ہونے
 جہاں میں ہوں گے۔ بڑے حوصلے کے ساتھ
 ڈان کوئی کے ساتھ یہ کر رہے ہیں۔ میں ان
 جانتا کہ کتنے سہولت میں جو اس بار ہے۔ دلو
 دیں گے۔ پوری جہاں میں سات لاکھ مزدور
 آئے واسے چار سال میں نکالے جائیں گے
 یہ پلاننگ کمیشن کا اسٹیٹمنٹ ہے کہ ان
 چھٹی ہوگی۔ جبکہ دیگر کے معاملہ میں ہے
 میں نے کہا ہے کہ ان کی دیش میں مزدور ہے
 ہم کہتے ہیں کہ براڈ گیج میں پہنچ کریں لیکن
 ریل و جاگ آرڈر نہیں دے رہا ہے۔

پر دھان منتری جی سے ہم لوگوں نے
 مانگ کی تھی کہ آپ ہی کاریل دفتر ہے اور
 آپ ہی کی ایڈسٹری منتری ہے۔ آپ ریل

مستزادہ کو یہ کہیں کہ آپ کے کارن انڈسٹری
کام نہیں کر پار ہی ہے آپ ریل سٹریٹو کو یہ
کیسے کہ وہاں پر آرڈر ملنا چاہیے لیکن عجیب
حالت ہے۔ ہم دیکھتے ہیں کہ سرکار کے داہنے
ہاتھ کو یہ معلوم نہیں ہے کہ بائیں ہاتھ کیا کر رہا
ہے اور بائیں ہاتھ کو یہ معلوم نہیں کہ دایاں
ہاتھ کیا کر رہا ہے۔ یہاں دائیں بائیں کا کھیل
تو رہا ہے۔ کلی کا ہی انڈسٹری سٹریٹو کا جواب
ہے یہ بتائیں کہ کیا قدم اٹھا رہا ہے تاکہ
۱۵ تاریخ سے جب ہم گھر جاتے ہیں تو ان کو
ہم یہ کہہ سکیں کہ مزدوروں کی چھٹن نہیں ہوگی
ونگینس کا آرڈر ملے گا۔ مداخلت۔۔۔

SHRI M. A. BABY (Kerala): Madam, this is a very Serious matter. As a result of the Government's policy, all public sector units, as well as many private sector units, are not in a position to utilise their capacity. I would ask the hon. Minister to kindly take it up with the Prime Minister.

श्रीमती सरला साहेवरी (पश्चिमी
बंगाल) : मैने इस मुद्दे को उठाया था
लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं की
गई (व्यवधान)

श्री अशोक मित्रा : (मध्य प्रदेश) :
मजदूरों की कोई छंटनी नहीं होनी चाहिये
(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ashok Mitra wants to say something. (Interruptions)

SHRI ASHOK MITRA (West Bengal): Madam Deputy Chairman, this is a matter which we have been raising over and over again, but we

have not been able to get any response from the Government. (Interruptions) Sitting in the Capital, we do not realise what is happening in the remote parts of the country. We adopt policies without realising what the implications of those policies would be.

Madam, I would like an authoritative statement from the Government whether the Government endorses the statement made by this office of the Planning Commission that one million jobs would be lost in the whole country, of which 600,000 jobs would be lost in the Eastern Region as a consequence of the policies which this Government has been pursuing for the last three years.

You would remember, Madam, about two months ago, when we raised this issue in the House that the people in West Bengal were being ill treated and that if the Central Government did not do something about it, perhaps, in the coming days, we might not remain as gentlemen, the Home Minister took objection to that expression. But Madam, it is a question of reality. If you are not prepared to face the reality, if you think that West Bengal and the Eastern Region as such are dispensable, that you would have your new economic policy to satisfy your bosses 11,000 miles away, we are not going to allow that. If you want to keep the country together, for heaven's sake, please do something Don't just sit here and keep mum. (Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, all of you have said Nobody is disputing your concern about it. If you want to...

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): People are starving to death, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. body is disputing your concern, but

there are other matters also. Now, Mantriji is here. (Interruptions)

यह जो मामला सी०पी०एम० के सदस्य उठा रहे हैं (व्यवधान) कांग्रेस के भी कुछ मैम्बर्स बोले हैं।

All parties are concerned.

श्री जलालुद्दीन अंसारी (बिहार) : यह गम्भीर मामला है। इस पर मंत्री महोदया को गम्भीरता से जबाब देना चाहिये और कार्यवाही करनी चाहिये ताकि लोगों को बताया जा सके।

شری جلال الدین انصاری: یہ گیمبر معیار
ہے اس پر سنجیدگی سے جواب دینا چاہیے اور کارروائی کرنی چاہیے تاکہ لوگوں
کو بتایا جاسکے۔

उपसमापति : मंत्री जी, आप जो कुछ कर सकते हैं, करें।

श्री जिननबाई मेहता (गुजरात) : मैं भी एस्तोसियेट कर रहा हूँ।

SHRI AJIT P. K. JOGI: Let the Minister say.

उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी) उद्योग विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती कुल्लुणा साहू) महोदया, सरकार को अच्छी तरह से मालूम है कि मेरा बायां हाथ क्या काम कर रहा है और दाहिना हाथ क्या काम कर रहा है। जैसे उन्होंने कहा कि सरकार को मालूम ही नहीं है कि बायां हाथ क्या कर रहा है और दाहिना हाथ क्या कर रहा है। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहती हूँ कि रेल मंत्री श्री जाफर शरीफ साहब के यहां मैंने खुद जा कर मीटिंग की। मैं इस बात से सहमत हूँ और मैं आपकी भावनाओं की कट करती

हूँ। सबकुछ बंगस का जो आर्डर मिलना चाहिये वह नहीं मिल रहा है लेकिन यह कहना गलत है कि इसके लिए सरकार प्रयास नहीं कर रही है। सरकार बिलकुल प्रयास कर रही है।

मैंने दो मीटिंग की हैं जाफर शरीफ साहब के यहां जाकर और शरीफ साहब ने हमें आर्डर पहले भी दिया था। यह समस्या अभी की नहीं है। यह आर्डर हमको पहले भी मिला था और जो आप कह रहे हैं। मैं सही बता रही हूँ इस बात को कि जो आर्डर्स मिलना चाहिए वह नहीं मिला लेकिन हम प्रयत्नशील है। आर्डर्स मुझे मिल रहा है और मिलेगा ही आर्डर, एसी बात नहीं है।

एक माननीय सदस्य : आर्डर कब मिल रहा है... (व्यवधान)...

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : इट इज नाट टू क्योंकि मुझे भी व्यक्तिगत जानकारी है। भारत बैनन-बिहार में भी है उसका... (व्यवधान)... मगर आर्डर नहीं मिल रहे हैं वहां। लोग परेशान हैं इसलिए इतना हल्के से मत लीजिए बात को। (व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम : मैडम, वे कहती हैं कि आर्डर होगा। प्लानिंग कमिशन का निर्देश है कि बंगस का भी... (व्यवधान) मंत्री जी का मालूम होना चाहिए।

خواجہ محمد سلیم: سیدم! یہ کہتی ہیں کہ آرڈر ہوگا
پلاننگ کمیشن کا نردیش ہے کہ بنگس کا بھی
...مداخلت نہ ستردی کو معلوم ہو چکا ہے

You have to place the order well in advance so that production can be streamlined. We cannot wait. Let the Minister clarify.